भारत का नया संसद भवन

प्रिलिम्स के लिये:

भारत का नया संसद भवन, सेंट्रल विस्टा परियोजना, लोकसभा, राज्यसभा, भूकंप, फौकॉल्ट पेंडुलम, सेन्गोल

मेन्स के लिये:

भारत के नए संसद भवन की आवश्यकता

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री ने देश के नए **संसद भवन** का उद्घाटन किया जो पुनर्निर्मित सेंट्रल विस्टा परियोजना का हिस्सा है।

- आर्किटेक्ट बिमल पटेल द्वारा डिज़ाइन किये गए नए संसद भवन का निर्माण वर्ष 2019 में शुरू हुआ।

नए संसद भवन की आवश्यकता:

- **सांसदों के बैठने के लिये स्थान कम होना:**

- पुराने भवनों को पूर्ण लोकतंत्र के लिये **द्विसदनीय विधायिका** को समायोजित करने के लिये **डिज़ाइन** नहीं किया गया था। **वर्ष 2026 के बाद** सीटों की कुल संख्या पर रोक हटने पर लोकसभा सीटों की संख्या **मौजूदा 545 से** काफी बढ़ने की संभावना है।

- **संकटग्रस्त अवसंरचना:**
  - जल आपूर्ति और सीवर लाइन, एयर-कंडीशनिंग, अग्निशमन उपकरण, सीसीटीवी कैमरे आदि जैसी सेवाओं को जोड़ने से **कई स्थानों पर जल का रिसाव हुआ है** जिसने भवनों की सौंदर्यता को प्रभावित किया है।
  - आधिकारिक भवन में अग्नि सुरक्षा एक प्रमुख चिंता का विषय है।
- **अप्रचलित संचार संरचनाएँ:**
  - **पुरानी संसद में** संचार अवसंरचना और **प्रौद्योगिकी पुरातन थी** तथा सभी हॉलों की ध्वनिकी में सुधार की आवश्यकता थी।
- **सुरक्षा चिंताएँ:**
  - पुराना संसद भवन तब बना था **जब दिल्ली भूकंपीय ज़ोन-II में था;** वर्तमान में यह भूकंपीय ज़ोन-V में है जो संरचनात्मक सुरक्षा चिंताओं को बढ़ाता है।
- **कर्मचारियों के लिये अपर्याप्त कार्यक्षेत्र:**
  - इन वर्षों में आंतरिक **सेवा गलियारों को कार्यालयों में परिवर्तित कर दिया गया** जिसके परिणामस्वरूप खराब-गुणवत्ता तथा कई मामलों में अधिक श्रमिकों को समायोजित करने के लिये उप-विभाजन के कारण ये कार्यस्थल कर्मचारियों के कार्य करने हेतु छोटे पड़ने लगे।

नई संसद से संबंधित प्रमुख बिंदु:

- **त्रिकोणीय आकार:**
  - नया संसद भवन आकार में त्रिकोणीय है, यह ऐसा इसलिये है क्योंकि **जिस भूखंड पर बना है वह त्रिकोणीय है।**
  - नए संसद भवन का स्वरूप **विभिन्न धर्मों में पाई जाने वाली पवित्र ज्यामिति** से प्रभावित है। **इसका डिज़ाइन और सामग्री पुरानी संसद की पूरक है, साथ ही दोनों भवनों का एक परिसर है।**
- **पर्यावरण के अनुकूल:**
  - **हरित निर्माण तकनीकों का उपयोग के कारण** निर्मित नए भवन में पुराने भवन की तुलना में **विद्युत की खपत में 30% की कमी** आने की उम्मीद है।
  - इसमें वर्षा **जल संचयन और जल पुनर्चक्रण प्रणालियों** को शामिल किया गया है। यह अधिक स्थान की उपलब्धता हेतु डिज़ाइन किया गया है, साथ ही यह अगले 150 वर्षों तक कार्य करने में सक्षम है।
- **भूकंप-सुरक्षित:**
  - चूँकि दिल्ली भूकंपीय क्षेत्र-V में है, **इसलिये इमारत को भूकंप-रोधी बनाया गया है।**
- **लोकसभा:**
  - नए लोकसभा कक्ष में एक मोर विषयवस्तु को अपनाया गया है, **जिसमें दीवारों और छत पर राष्ट्रीय पक्षी के पंखों के समान नक्काशीदार डिज़ाइन तैयार किये गए** हैं, जो टील कार्पेट से सुसज्जित हैं।
    - लोकसभा कक्ष में वर्तमान के 543 के बजाय 888 सीटें होंगी, **जिसकी क्षमता बढ़कर 1,272 हो जाएगी। सेंट्रल हॉल के अभाव में लोकसभा का उपयोग दोनों सदनों की संयुक्त बैठक** हेतु किया जाएगा।
- **राज्यसभा:**
  - राज्यसभा कक्ष को लाल कालीनों के साथ इसकी **थीम के रूप में कमल से सज़ाया गया** है।
  - लोकसभा और राज्यसभा दोनों में एक बेंच पर दो सांसद बैठ सकेंगे और प्रत्येक सांसद की डेस्क पर टच स्क्रीन होगी।
    - राज्यसभा कक्ष अब 250 की मौजूदा क्षमता के विपरीत **384 संसद सदस्यों (सांसदों) को समायोजित कर सकता है। परिसीमन** के बाद सांसदों की संख्या में भविष्य में होने वाली किसी भी वृद्धि को ध्यान में रखकर दोनों कक्षों की क्षमता को पहले से अधिक किया गया है।
- **संविधान सभागार:**
  - नए भवन में एक संविधान सभागार बनाया गया है, जहाँ **भारतीय लोकतंत्र की यात्रा का दस्तावेज़ीकरण** किया गया है।
- **भारत भर से सामग्री:**
  - भवन के आंतरिक और बाहरी निर्माण के लिये **देश भर से विभिन्न प्रकार की निर्माण सामग्री लाई गई** है, जिसमें **धौलपुर के सरमथुरा से बलुआ पत्थर** और राजस्थान राज्य के **जैसलमेर ज़िले के लाखा गाँव से ग्रेनाइट** शामिल है।
  - इसी प्रकार **साज-सज्जा में प्रयुक्त लकड़ी नागपुर से लाई गई** और **मुंबई के शिल्पकारों** ने इस पर वास्तुशिल्प डिज़ाइन का कार्य किया है।
  - **उत्तर प्रदेश के भदोही के बुनकरों** ने भवन के लिये हाथ से बुने **पारंपरिक कालीन** बनाए हैं।
- **गांधी प्रतिमा:**
  - मूल रूप से **वर्ष 1993 में संसद के मुख्य द्वार पर स्थापित की गई महात्मा गांधी** की **16 फुट ऊँची काँस्य प्रतिमा** को पुराने और नए भवनों के बीच स्थानांतरित कर दिया गया है।
  - यह अब लोकसभा अध्यक्ष द्वारा उपयोग किये जाने वाले प्रवेश द्वार के समीप पुराने भवन के सामने है। यह प्रतिमा छात्रों और संसद सदस्यों के विरोध, सभाओं और फोटो-ऑप्स के लिये एक महत्त्वपूर्ण स्थल रही है।
    - इसे पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित प्रसिद्ध **मूर्तिकार राम वी सुतार** ने बनाया था।
- **राष्ट्रीय चिह्न:**
  - यह भवन राष्ट्रीय प्रतीकों से भरा हुआ है, जिसमें राष्ट्रीय प्रतीक **अशोक स्तंभ के सिंह को भवन के शीर्ष पर स्थापित** किया है जिसका वज़न 9,500 किलोग्राम है और ऊँचाई 6.5 मीटर है।
  - इस विशाल काँस्य प्रतिमा को सहारा देने के लिये **सेंट्रल फोयर के शीर्ष पर 6,500 किलोग्राम की संरचना का निर्माण** किया गया है। भवन के प्रवेश द्वार पर **अशोक चक्र और 'सत्यमेव जयते'** शब्द पत्थरों पर अंकित किये गए हैं।

- **गोल्डन राजदंड:**
  - अंग्रेज़ो से सत्ता के हस्तांतरण को चह्निति करने के लयि आज़ादी की पूर्व संध्या पर **जवाहरलाल नेहरू** को दयि गया **गोल्डन राजदंड (सेन्गोल) स्पीकर के पोडयिम के पास नए लोकसभा कक्ष में रखा** जाएगा। यह राजदंड उन्हें **तमलिनाडु के पुजारयिों द्वारा दयि गया** था।
- **डजिटिलीकरण की ओर:**
  - नई संसद के पर्यावरण के अनुकूल दृष्टकिोण के अनुसार **सभी रकिॉर्ड- सदन की कार्यवाही,** प्रश्न और अन्य व्यवसाय को डजिटिाइज़ कयि जा रहा है। इसके अतरिक्ति टैबलेट और आईपैड एक आदर्श प्रदर्शति करेंगे।
- **भवन में गैलरी:**
  - 'शल्पि' नामक एक गैलरी सभी भारतीय राज्यों की मट्टिी से बने मट्टिी के बर्तनों के साथ-साथ पूरे भारत के वस्त्र प्रतष्ठिानों को प्रदर्शति करेगी। **गैलरी 'स्थापत्य' भारत के प्रतष्ठिति स्मारकों को प्रदर्शति करेगी** जनिमें वभिन्नि राज्यों और केंद्रशासति प्रदेशों के स्मारक शामलि हैं। स्मारकों के अतरिक्ति यह योग आसनों को भी समाहति करती है।
- **वास्तु शास्त्र:**
  - भारतीय संस्कृति और वास्तु शास्त्र में उनके महत्त्व के आधार पर भवन के **सभी प्रवेश द्वारों पर संरक्षक मूर्तयिों के रूप में शुभ पशुओं को प्रदर्शति** कयि जाएगा। इनमें हाथी, घोड़ा, चील, हंस और पौराणकि जीव शार्दुला और मकर शामलि हैं।
- **फौकॉल्ट पेंडुलम:**
  - नए संसद भवन के अंदर स्थापति एक फौकॉल्ट पेंडुलम है जसिे संसद के अक्षांश पर इसे एक चक्कर पूरा करने में **49 घंटे 59 मनिट और 18 सेकंड** का समय लगता है।
    - **फौकॉल्ट पेंडुलम**, जसिका नाम **फ्राँसीसी भौतकि वज्ञिानी लयिोन फौकॉल्ट** के नाम पर रखा गया है, इसका उपयोग **पृथ्वी के घूर्णन को प्रदर्शति करने** के लयि कयि जाता है।
  - पेंडुलम में एक **भारी बॉब होता है जो छत में एक नश्चिति बदिु से एक लंबे, मज़बूत तार** के अंत में नलिंबति होता है। जब लोलक झूलता है तब जसि **काल्पनकि सतह पर तार और गोलक स्वाइप करते हैं, उसे दोलन का तल** कहा जाता है।

सेंट्रल वस्टिा:

- वर्तमान में नई दल्लिी के सेंट्रल वस्टिा में राष्ट्रपति भवन, संसद भवन, उत्तर और दक्षणि ब्लॉक, इंडयिा गेट, राष्ट्रीय अभलिेखागार शामलि हैं।
- दसिंबर 1911 में **कगि जॉर्ज पंचम ने भारत की राजधानी को कलकत्ता से दल्लिी स्थानांतरति** करने की घोषणा की।
  - दल्लिी दरबार का आयोजन कगि जॉर्ज पंचम के राज्याभषिक के अवसर पर कयि गया था।
- इन भवनों के नरि्माण का उत्तरदायत्वि एडवनि लुटयिंस (Edwin Lutyens) व हर्बर्ट बेकर (Herbert Baker) को दयि गया, जो यूरोपीय शास्त्रीयतावाद के मज़बूती से पालन के लयि जाने जाते थे और दक्षणि अफ्रीका के एक प्रमुख वास्तुकार हर्बर्ट बेकर थे।
  - हर्बर्ट बेकर दक्षणि अफ्रीका के प्रटिोरयिा में यूनयिन बल्डिगि के वास्तुकार भी हैं।
- संसद भवन की इमारत लुटयिंस और बेकर दोनों ने डज़िाइन कयि था।
- राष्ट्रपति भवन को एडवनि लुटयिंस ने डज़िाइन कयि था।
- सचविालय, जसिमें उत्तर और दक्षणि दोनों ब्लॉक शामलि हैं, हर्बर्ट बेकर द्वारा डज़िाइन कयि गया था।

स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-s-new-parliament-house